प्रश्न पत्र – **MJY-C401** अर्जिताधिभार .06

एम.ए. चतुर्थ–सत्र

नोट :– चतुर्थ सत्र में ज्योतिर्विज्ञान एवं वैदिक कर्मकाण्ड विषय में से प्रथम पत्र **MJY-C401** एवं द्वितीय पत्र **MJY-C402** अनिवार्य होगा तथा दोनों विषयों के वैकल्पिक प्रश्न पत्रों **MJY-E401, MJY-E402** एवं **MJY-E403, MJY-E404** अथवा **MJY-E461** लघु शोध में से किसी एक–एक पत्र का विभागाध्यक्ष के परामर्श से चयन करना होगा।

अनिवार्य पत्र — 70+30=100 पूर्णांक

वेदांगज्योतिष एवं भुवनकोष

VEDANGAJYOTISHA EVAM BHUVANKOSHA

प्रश्न पत्र निर्माण का प्रारूप

प्रथम खण्ड (A) – लघु उत्तरीय (Short Answer) – प्रकार के 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में देना होगा।

6x5=30 अंक

द्वितीय खण्ड (B)–दीर्घ उत्तरीय (Long Answer) – प्रकार के 08 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 04 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में देना होगा।

10x4=40 अंक

प्रस्तावित पाठ्यक्रम
खण्ड–1 लगध ज्योतिष (आर्चज्योतिष) का ऐतिहासिक महत्व वेदांग ज्योतिष का वैशिष्ट्य एवं ज्योतिष शास्त्र की प्रशंसा
खण्ड – 2 आदि युगारम्भ, अयनज्ञान, अयनारम्भ की तिथियाँ, नक्षत्र विचार, ऋतु मास, प्रारम्भ, पर्वान्तनिर्णय, पर्व राशि कला
खण्ड – 3 भुवनकोश अध्याय 1 से 35 श्लोक तक
खण्ड – 4 भुवनकोश अध्याय 36 से 69 श्लोक तक
खण्ड – 5 ऋतुवर्णनाध्याय एवं यन्त्राध्याय

सन्दर्भग्रन्थ :

1. लगध ज्योतिष (याजुष व आर्च संस्करण) लगधाचार्य सुधाकर भाष्य, लघुविवरण, संस्कृत टीका, डॉ0 पुनीता शर्मा, नाग पब्लिशर्स, दिल्ली–2008
2. वेदांगज्योतिष – टीकाकार शिवराज आर्य, (सं0) शिवराज कोणिढययन, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. वेदांगज्योतिष – (व्या0) कृष्णचन्द्र द्विवेदी, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
4. सिद्धान्तशिरोमणि – भास्कराचार्य गोलाध्याय, पं0 केदारदत्त जोशी
5. वेधशाला परिचय – डॉ0 कल्याणदत्त शर्मा
6. वेधशाला परिचय – डॉ0 विनोद शर्मा
7. भुवनकोश – डॉ0 डी0पी0 त्रिपाठी, अमर प्रकाशन, दिल्ली
8. वेदांग ज्योतिष – डॉ0 सुरेश चन्द्र मिश्रा, दिल्ली